भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1909

31, जुलाई 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्मार्ट सिटी मिशन 2.0 की शुरुआत

†1909. श्री दुरई वाइकोः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार मौजूदा स्मार्ट सिटी ढांचे के अंतर्गत मौजूदा परियोजनाओं के आधार पर स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) 2.0 शुरू करने का है;

(ख) यदि हाँ, तो मिशन के नए चरण की प्रस्तावित विशेषताओं, मुख्य क्षेत्र और वित्तपोषण तंत्र सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है

(ग) क्या नए पैकेज के अंतर्गत बुनियादी ढाँचे और डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं के और उन्नयन और विस्तार के लिए तिरुचिरापल्ली पर विचार किया जाएगा और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या तिरुचिरापल्ली में पूर्ण या लंबित स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की स्थिति और प्रदर्शन के संबंध में कोई समीक्षा की गई है या मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रस्तावित एससीएम 2.0 ढांचे के अंतर्गत अधूरी परियोजनाओं और शहरी गतिशीलता, अपशिष्ट प्रबंधन, बाढ़ शमन और बसने की योग्यता मे नई पहचान की गई कमियों को प्राथमिकता दी जाए और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) से (ङ) जी नहीं। स्मार्ट सिटी मिशन के 31 मार्च 2025 को समाप्त होने के उपरांत, इस मिशन के तहत कोई अतिरिक्त बजटीय प्रावधान नहीं किया गया है। इसलिए, एससीएम के अंतर्गत किसी नए शहर को शामिल नहीं किया जाएगा।

स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के अंतर्गत 100 शहरों का चयन किया गया है, जिनमें तमिलनाडु राज्य के 11 शहर अर्थात चेन्नई, कोयम्बटूर, इरोड, मदुरै, सेलम, तंजावुर, थूथुकुडी, तिरुचिरापल्ली, तिरुनेलवेली, तिरुप्पुर और वेल्लोर शामिल हैं, ।

11.07.2025 की स्थिति के अनुसार, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत तमिलनाडु राज्य में तिरुचिरापल्ली सहित चयनित 11 शहरों में 17,951 करोड़ रुपए की 729 परियोजनाएँ शुरू की गई हैं, जिनमें 17,923 करोड़ रुपए की 726 परियोजनाएँ (कुल परियोजनाओं का 99%) पूरी हो चुकी हैं और 28 करोड़ रुपए की शेष 3 परियोजनाएँ चल रही हैं।

राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचनानुसार, तिरुचिरापल्ली स्मार्ट सिटी में स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के अंतर्गत 1547.68 करोड़ रुपए की कुल 83 परियोजनाओं की शुरुआत की गई थी, और सभी परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

*****